UP, महाराष्ट्र में बंद मिलों को चालू करने से डरा चीनी उद्योग

आशीष कुलश्रेष्ठ | हैदराबाद

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बंद पड़ी दर्जनों चीनी मिलों में कामकाज शुरू करने की कोशिशों से चीनी उद्योग को डर सताने लगा है कि इससे कारखानों की उत्पादन क्षमता के उपयोग पर दबाव आएगा। महाराष्ट्र जहां 40 बंद पड़ी मिलों को रिवाइव करने पर विचार कर रहा है, वहीं यूपी भी कई अन्य मिलों में कामकाज शुरू करने पर काम कर रहा है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि रिवाइवल की इन कोशिशों से इन इलाकों में कई ऐसी चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ सकता है, जो कई वर्षों तक कम कारोबार के बाद पाजिटिव मार्जिन दर्ज करने लगी हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये चीनी मिलें एक बार फिर उत्पादन क्षमता के कम उपयोग की सूरत बनने और पेराई के लिए गन्ने की कम उपलब्धता की स्थिति का सामना कर सकती हैं।

इंडियन शुगर मिलर्स एसोसिएशन (ISMA) के मुताबिक, देश की कुल चालू चीनी मिलों में से करीब 45 पर्सेंट मिलें यूपी और महाराष्ट्र में हैं। देश में कुल चीनी उत्पादन में इन दो राज्यों का योगदान 70 पर्सेंट से ज्यादा है। इस बीच खराब मॉनसूनी मौसम के कारण चालू मिलों की संख्या 2016-17 में घटकर 493 रह गई है। 2014-15 में चालू मिलों की संख्या 538 थी।

- इंडियन शुगर मिलर्स एसोसिएशन (ISMA) के मुताबिक, देश की कुल चालू चीनी मिलों में से करीब 45 पर्सेंट मिलें यूपी और महाराष्ट्र में हैं
- देश में कुल चीनी उत्पादन में इन दो राज्यों का योगदान 70 पर्सेंट से ज्यादा है। इस बीच खराब मॉनसूनी मौसम के कारण चालू मिलों की संख्या 2016-17 में घटकर 493 रह गई है। 2014-15 में चालू मिलों की संख्या 538 थी

ISMA का कहना है कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में चीनी मिलों के लिए मुनाफे वाले कामकाजी दिनों की संख्या 150 रहेगी, जबकि पिछले शुगर सीजन में इन राज्यों की मिलों में क्रमशः 144 और 76 दिनों तक काम हुआ था। इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों का कहना है कि बंद पड़ी मिलों में कामकाज शुरू होने से यह आंकड़ा और खराब हो सकता है। ISMA के महानिदेशक अबिनाश वर्मा ने कहा, 'अगर एक ही गन्ना उत्पादक इलाके में ज्यादा मिलें काम करेंगी तो निश्चित रूप से मिलर्स पर उसका असर पड़ेगा।'

यूपी सरकार गोरखपुर और पूर्वांचल इलाके में बंद मिलों को चालू करने की योजना बना रही है। उस इलाके में पहले से कई मिलें चल रही हैं।

रेटिंग एजेंसी इक्रा के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सब्यसाची मजूमदार ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में जो मिलें उत्पादन क्षमता का ज्यादा इस्तेमाल कर रही थीं, उन पर बंद मिलों के चालू होने से बढ़ने वाली उत्पादन क्षमता का असर पड़ेगा। इससे उनका मुनाफा घटेगा।'

यूपी के एक टॉप शुगर मिलर ने नाम न छापने की शर्त के साथ कहा कि बंद मिलों को चालू करने से प्रदेश में चल रहीं मिलों को नुकसान होगा क्योंकि गन्ने के लिए मार मचेगी। तेलंगाना की एक शुगर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, 'बंद पड़ी मिलों के चालू होने से इलाके में गन्ने का बुआई रकबा तो बढ़ेगा, लेकिन ज्यादा प्रॉडक्शन के चलते कीमतें गिरेंगी और सरकार को फेयर एंड रेमुनेरेटिव प्राइस और स्टेट एडवाइज्ड प्राइस बढ़ाना पड़ सकता है। इससे शुगर मिलर्स की आमदनी घटेगी।'